दिनांक–3 जून, 2016

राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के आय एंव व्यय का विश्लेषण
वित्तीय वर्ष 2014–15

राजनीतिक दल विभिन्न स्त्रोतों से दान प्राप्त करते हैं इसलिए जवाबदेही और पादर्शिता उनके कामकाज का महत्वपूर्ण पहलू होना चाहिए। व्यापक और पारदर्शी लेखा प्रणाली के लिए आवश्यक है कि पार्टियां सही वित्तीय स्थिति प्रदर्शित करें।

भारत निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई) ने 19 नवम्बर, 2014 को राजनीतिक दलों के अध्यक्षों/महामंत्रीयों को सबोधित करते हुए अपने पत्र में लिखा कि सभी दलों को उनकी अंकेक्षत रिपोर्ट का विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इस रिपोर्ट में 5 राष्ट्रीय दलों (भाजपा को छोड़कर) के कुल आय और व्यय का विश्लेषण है जो उन्होने वित्तीय वर्ष 2013–14 के लिए अपने आयकर में भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय दलों द्वारा प्रस्तुत ऑडिट रिपोर्ट

- दलों द्वारा वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की नियमित तिथि 30 नवम्बर, 2015 थी।
- सीपीआई, सीपीएम और बसपा तीनों पार्टियों ने ही अपने ऑडिट रिपोर्ट्स निर्धारित समयसीमा से पहले प्रस्तुत की है|
- एनसीपी ने अपना ऑडिट रिपोर्ट निर्धारित समयसीमा के दो महीने बाद, 2 फेब्रुअरी 2016 को जमा किया|
- बीजेपी ने अपना ऑडिट रिपोर्ट निर्धारित समयसीमा के लगभग 3 महीने बाद, 14 मार्च 2016 को जमा किया|
- कांग्रेस ने अपना ऑडिट रिपोर्ट निर्धारित समयसीमा के लगभग 4 महीने बाद, 4 अप्रैल 2016 को जमा किया|

Due date for submission: 30th Nov,'15		
Party	**Date of submission**	**Delay in submitting their report**
CPM	28th Sep,'2015	-
BSP	12th Oct,'15	-
CPI	18th Nov,'2015	-
NCP	2nd Feb,'2016	63 days
BJP	14th March,'2016	104 days
INC	Not submitted	125 days

वित्तीय वर्ष 2013–14 और 2014–15 के बीच राष्ट्रीय दलों की कुल आय की तुलना

- वित्तीय वर्ष 2013–14 और 2014–15 के बीच, भाजपा की आय में **44.02%** (Rs 296.62 करोड़) की वृद्धि हुई जबकि बसपा की आय में **67.31%** (Rs 45.04 करोड़) की वृद्धि हुई।
- इसी वित्तीय वर्ष में, एन.सी.पी की आय में Rs 12.22 करोड (22.05%) की वृद्धि हुई जबकि सी.पी.एम की आय में Rs 2.05 करोड़ (1.68%) की वृद्धि हुई।
- उल्लेखनीय यह है कि 6 राष्ट्रीय दलों में से कांग्रेस ने अपना कुल आय 0.79% यानि रु 4.74 करोड़ की कमी घोषित की है और सीपीआई ने रु 59 लाख यानि 24.28% की कमी दर्शाया है|

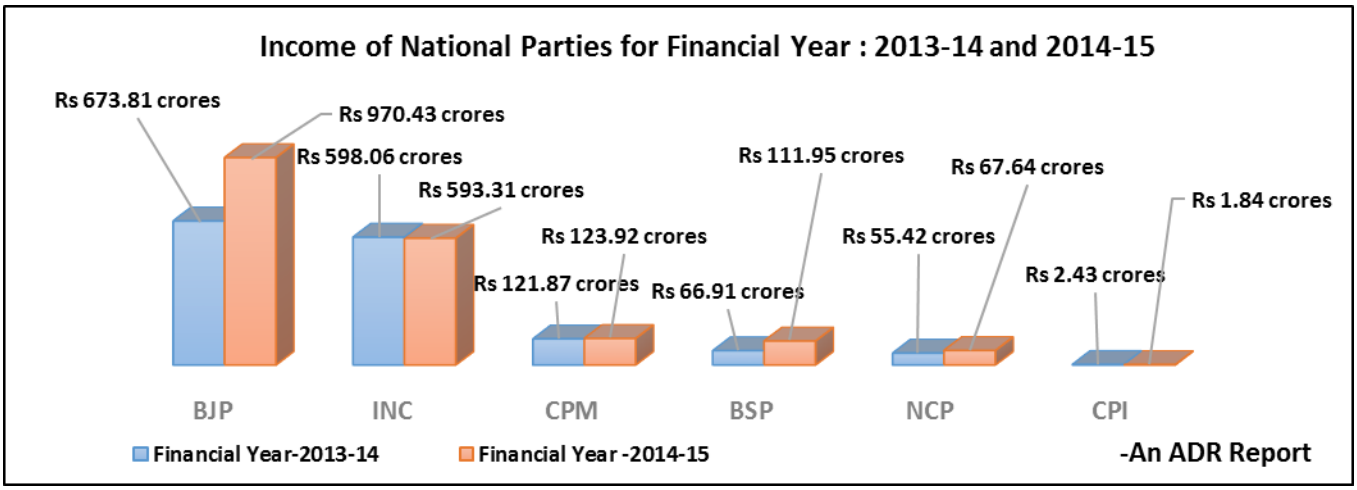

वित्तीय वर्ष 2014–15 के लिए राष्ट्रीय दलों की कुल आय

- राष्ट्रीय दलों की आय पूरे भारतवर्ष से विभिन्न स्त्रोतों से संकलित की गई है जैसा की उन्होने अपने ऑडिट रिपोर्ट में प्रस्तुत किया है।
- 19 अप्रेल 2016 तक, राष्ट्रीय पार्टियों में से केवल कांग्रेस ने ही चुनाव आयोग को अपना ऑडिट रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए जमा नहीं किया है ।
- राष्ट्रीय दल जिनके आईटीआर सार्वजानिक तौर पर उपलब्ध हैं की कुल आय रू 1869.11 करोड़ (पूरे भातरवर्ष से)।
- कुल आय Rs 970.43 करोड़ के साथ राष्ट्रीय दलों में से भाजपा ने सबसे अधिक आय घोषित की है जो इन 5 दलों के कुल आय का 51.92 प्रतिशत है।
- दूसरे स्थान पर कांग्रेस ने Rs 593.31 करोड़ घोषित किया है जो राष्ट्रीय दलों के पुरे आय का 31.74 % है ।

National Parties for FY-2014-2015 (Rs. in crores)						
National Party	**BJP**	**INC**	**CPM**	**BSP**	**NCP**	**CPI**
Total Income	Rs 970,43,08,511 ***(Rs 970.43 crores)***	Rs 593,31,48,495 **(Rs 593.31 crores)**	Rs 123,92,17,997 ***(Rs 123.92 crores)***	Rs 111,95,53,509 ***(Rs 111.95 crores)***	Rs 67,64,78,085 ***(Rs 67.64 crores)***	Rs 1,84,13,593 ***(Rs 1.84 crores)***
Share of Income	**51.92%**	**31.74%**	**6.63%**	**5.99%**	**3.62%**	**0.10%**
Grand Total	**Rs 18,69,11,20,190 (Rs 1,869.11 crores)**					

Table: Total income declared by National Parties in their ITR for FY 2014-15 (All over India)

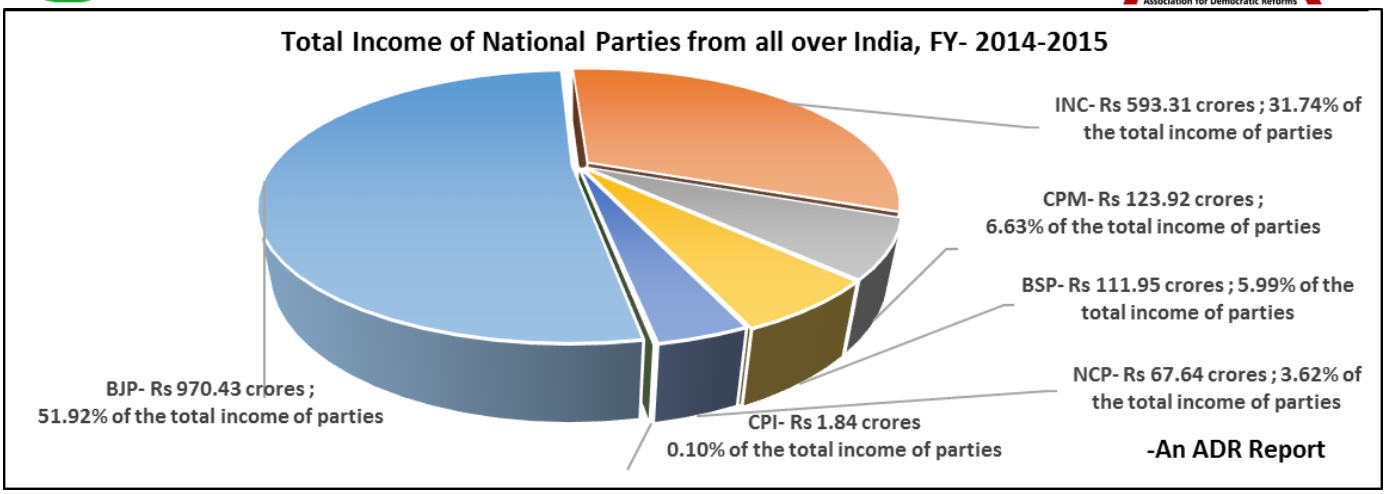

Graph: Total income declared by National Parties in their ITR for FY 2014-15 (All over India)

राष्ट्रीय दलों द्वारा वित्तीय वर्ष 2013–14 में कूपनो की बिक्री एंव दान की घोषणा

- राष्ट्रीय दलों के ऑडिट रिपोर्ट में उनके द्वारा विभिन्न स्त्रोतों से अर्जित की गई आय, खर्च का, पूरे एक वर्ष का, विवरण होता है।
- राष्ट्रीय दलों की आय का मुख्य शीर्ष स्रोत अनुदान/दान/चंदा और धन एकत्रीकरण रहा है । यह अनुदान उनकी कुल आय का 71.66% है।
- भाजपा ने चंदे के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2014-15 में सबसे अधिक आय प्राप्त की है। भाजपा ने Rs 940.39 करोड़ उसके बाद बसपा ने Rs 92.80 करोड़, एनसीपी ने Rs 38.82 करोड़ आय घोषित किया है ।
- सीपीएम ने Rs 59.27 करोड़ का स्वैच्छिक दान घोषित किया है, लेकिन पार्टी के आयकर अनुबंध को देखा जाये तो पार्टी ने स्वैच्छिक योगदान के रूप में Rs 59.12 करोड़ और कूपन की बिक्री के माध्यम से Rs 15 लाख घोषित किया है ।
- राष्ट्रियों दलों में से कांग्रेस और एनसीपी ने अपने मुख्य आय-व्यय विवरण में "कूपन की बिक्री" से आय घोषित किया है । कांग्रेस ने कूपन द्वारा Rs 323.15 करोड़ और एनसीपी ने Rs 27.06 करोड़ प्राप्त किया है ।

Share of donations/ sale of coupons in total income of the parties – FY 2014-2015 (Rs in crores)							
Income Details	**BJP**	**INC**	**BSP**	**NCP**	**CPI**	**CPM**	**Total**
Grant/Donation/Contributions/ Funds	940.39	207.407	92.8	38.82	0.72	59.27	Rs 1,339.41 cr
Collection by Issuing Coupons/Sale of Publications	0	323.15	0	27.165	0	0	Rs 350.31 cr
Other sources of Income	30.04	62.76	19.155	1.66	1.12	64.65	Rs 179.39 cr
***Includes Voluntary contributions, contributions from Morchas, Contributions from Meetings and Aajiwan Sahayog Nidhi**							

- वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित कुल आय Rs 1869.11 करोड़ है | इस आय में से Rs 179.39 करोड़ अन्य स्रोतों से प्राप्त हुआ है जो कुल आय का केवल 9.60% ही है |

कुल दान में रू 20,000 से अधिक के दान का विवरण

- राजनीतिक दलों को ऑडिट रिपोर्ट के अलावा हर वर्ष रू 20,000 से ज़्यादा दान देने वाले लोगों की सूची भी चुनाव आयोग को देनी होती है।
- राजनीतिक दलों को मिलने वाले दान (रू 20,000 से अधिक व कम दोनों) तथा उनके द्वारा घोषित आयकर के विश्लेषण से यह पता चलता है कि कुल दान का सिर्फ 49 प्रतिशत रू 20,000 से ऊपर के स्वैच्छिक अनुदान से आता है।
- राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 में अर्जित की गई रू 648.66 करोड़ (51 प्रतिशत) की दान राशि जिस दानदाता से आई है उनका कोई भी विवरण सार्वजानिक रूप से उपलब्ध नही है।
- वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान भाजपा ने सबसे अधिक दान घोषित किया है | जिसमे 50% दान Rs 20,000 से अधिक का है बाकि 50% यानिकी Rs 434.67 करोड़ दान का विवरण उपलब्ध नहीं है |
- सीपीएम पार्टी ने Rs 59.275 करोड़ का दान अपने ऑडिट रिपोर्ट में घोषित किया है | लेकिन पार्टी का केवल 6% (Rs 3.419 करोड़) दान की ही जानकारी उपलब्ध है |

% share of contributions in total Income of National Parties for FY-2014-2015 (Rs. in crores)						
Party	**Total Income (A)**	**Source of Income – IT Returns**	**Total Contributions/ Donations- From IT Returns (B)**	**Share of Contributions in total income (B/A)**	**Donations above Rs 20,000 – From Contribution report (C)**	**Share of Contributions above Rs 20,000 in total donations (C/B)**
BJP	970.43	Voluntary Contributions	872.02	90%	437.35	50%
INC	593.314	Grant/Donation/Contributions	207.04	35%	141.46	68%
BSP	111.955	Voluntary Contributions / Coupon Sale	92.80	83%	0	0%
NCP	67.647	Grant/ Donation/Contribution	38.82	57%	38.82	100%
CPI	1.84	Party Fund, Education Fund, Election Fund and Donations	0.72	39%	1.33	185%
CPM	123.92	Voluntary Contributions	59.275	48%	3.419	6%
Grand Total	**Rs 1,869.11 crores**		**Rs 1,271.04 crores**	**68%**	**Rs 622.38 crores**	**49%**

Table: % share of contributions in total Income of National Parties for FY-2014-2015 (Rs. in crores)

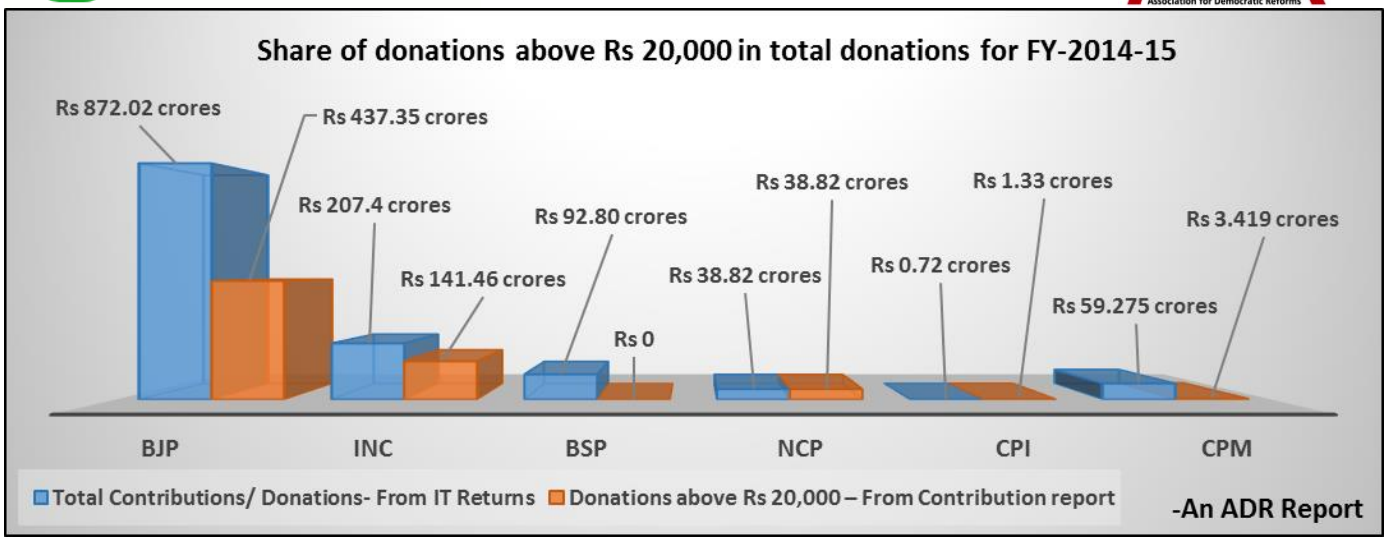

* - The donations above Rs 20,000 declared by CPI was more than total donations declared by the party in its IT Returns

राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वर्ष 2013–14 में अज्ञात स्त्रोतों से अर्जित की गई आय

- राजनीतिक दलों द्वारा भारत चुनाव आयोग को प्रस्तुत की गई दान रिपोर्ट में सिर्फ उन्ही लोगों का नाम उल्लेखित किया गया है जिन्होने इन दलों को रू 20,000 से ज़्यादा दान किये है। अतः सिर्फ यही एक ज्ञात स्त्रोत है।

- राजनीतिक दलों द्वारा अज्ञात स्त्रोतों से अर्जित की गई आय वह है जो उन्होने अपनी आयकर में रू 20,000 से कम दान की श्रेणी में उल्लेखित की है। अज्ञात स्त्रोतों से अर्जित की गई आय में निम्नलिखित साधन आते हैं: कूपनों की बिक्री, पर्स मनी, सहायता कोष, विविध फंड, स्वैच्छिक अनुदान, सम्मेलन/मोर्चाओं से एकत्रित की गई धनराशि इत्यादि। इन स्वैच्छिक अनुदान देने वाले दानदाताओं का विवरण सार्वजानिक रूप से उप्लब्ध् नही है।

- राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 में अज्ञात स्त्रोतों से अर्जित की गई धनराशि है रू 1130.59 करोड़ जोकि दलों की कुल आय का 60 प्रतिशत है (दलों के आईटीआर में इस धनराशि का विवरण से प्राप्त की गई धनराशि के श्रेणी में घोषित की जाती है)।

- नीचे दी गई तालिका में अज्ञात स्त्रोतों द्वारा प्राप्त धनराशि को बताया गया है और इसमें दान/स्वैच्छिक अनुदानों को समायोजन किया गया है।

Unknown sources of Income	BJP	INC	BSP	NCP	CPI	CPM	Total
Voluntary Contributions	434.67	65.94	92.8	0	0	55.856	**Rs 649.27 crores**
Aajiwan Sahayog Nidhi	67	0	0	0	0	0	**Rs 67.00 crores**
Coupon sale	0	323.15	0	27.165	0	0	**Rs 350.31 crores**
Miscellaneous Income/Others	0.977	56.13	0.0002	0.01	0.003	4.27	**Rs 61.39 crores**
Contributions for Morchas	1.266	0	0	0	0	0	**Rs 1.27 crores**
Relief Fund	1.247	0	0	0	0	0	**Rs 1.25 crores**
Contributions from Meetings	0.095	0	0	0	0	0	**Rs 0.10 crores**
Total	**Rs 505.26 crores**	**Rs 445.22 crores**	**Rs 92.80 crores**	**Rs 27.18 crores**	**Rs 0.003 crores**	**Rs 60.13 crores**	**Rs 1,130.59 crores**

Table: Unknown sources of income of National parties for FY- 2014-2015

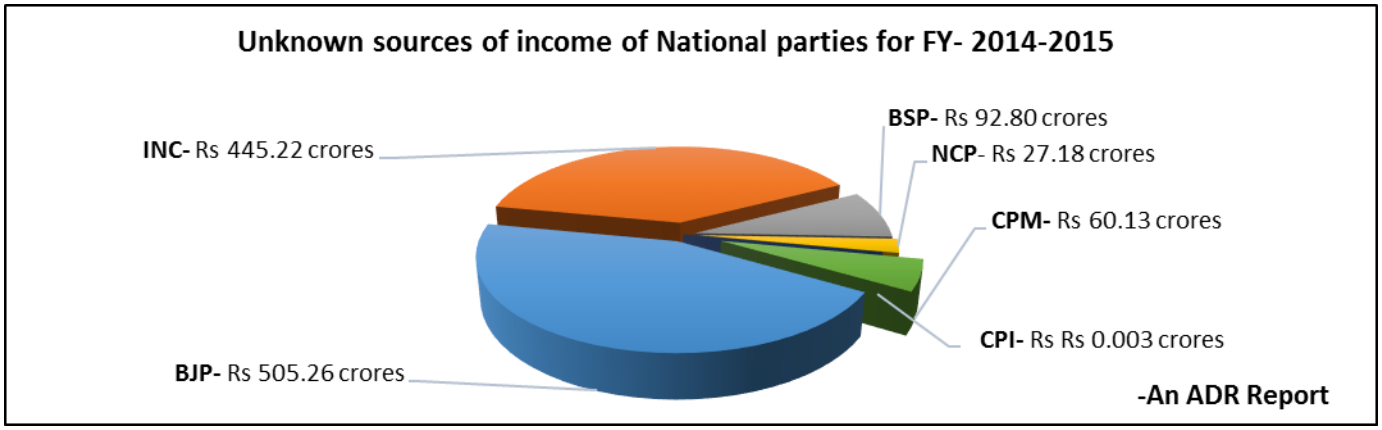

राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 में आय के प्रमुख 3 स्त्रोत

- राष्ट्रीय दलों के शीर्ष तीन मुख्य आय स्रोतों में दलों ने दान से अधिक धन प्राप्त किया है | भाजपा Rs 872.02 करोड़, बसपा Rs 92.80 करोड़, एनसीपी Rs 38.82 करोड़, सीपीएम Rs 59.27 करोड़ और सीपीआई Rs 72 लाख |
- कांग्रेस के प्रमुख आय के स्त्रोतों में कूपन की बिक्री से सबसे अधिक आय रु 323.15 करोड़ प्राप्त किये हैं है |
- भाजपा को तीसरा सबसे अधिक आय आजीवन सहयोग निधि से Rs 67 करोड़ प्राप्त हुए हैं जो पार्टी के कुल आय का 6.90% है |
- ब्याज से प्राप्त राशि भी राष्ट्रिय पार्टियों का मुख्य स्रोत रहा है | इस स्रोत से भाजपा ने Rs 20.65 करोड़, सीपीएम ने Rs 15.58 करोड़, बसपा ने Rs 7.688 करोड़ और सीपीआई ने 64 लाख प्राप्त किये हैं |

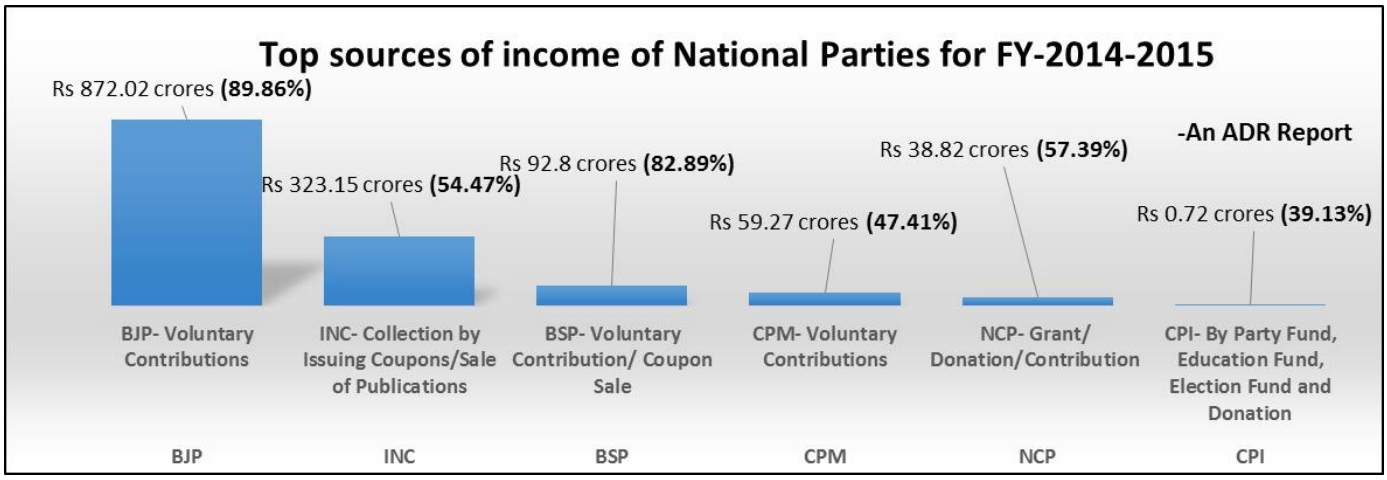

National Party	Total Income	Financial Year- 2014-2015		
		Top 3 Source of Income	Amount (Rs in crores)	Share of Income
BJP	Rs 970.43 crores	Voluntary Contributions	872.02	89.86%
		Aajiwan Sahayog Nidhi	67.00	6.90%
		Interest from Banks	20.65	2.13%
		Other Income	10.76	1.11%
INC	Rs 593.31 crores	Collection by Issuing Coupons/Sale of Publications	323.15	54.47%
		Grant/Donation/Contributions	207.40	34.96%
		Fee & Subscriptions	6.62	1.12%
		Other Income	56.13	9.46%
BSP	Rs 111.95 crores	Voluntary Contribution/ Coupon Sale	92.80	82.89%
		Membership Fee	11.466	10.24%
		Bank Interest	7.688	6.87%
		Other Income	0.0002	0.00%
NCP	Rs 67.64 crores	Grant/ Donation/Contribution	38.82	57.39%
		Collection By Issuing Coupons/Sale of Publications	27.78	41.07%
		Fee & Subscriptions	0.70	1.03%
		Other Income	0.34	0.50%
CPI	Rs 1.84 crores	By Party Fund, Education Fund, Election Fund and Donation	0.72	39.13%
		By Interest received	0.64	34.62%
		By Membership Fee	0.44	23.86%
		Other Income	0.04	2.17%
CPM	Rs 123.92 crores	Voluntary Contributions	59.27	47.83%
		Levy	44.57	35.97%
		Bank Interest	15.58	12.57%
		Other Income	4.50	3.63%

Table: Top 3 sources of income of National Parties in their ITR from FY 2014-15

5 राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 में व्यय के प्रमुख 3 स्त्रोत

- वित्तीय वर्ष 2014-15 में भाजपा ने सबसे अधिक खर्च विज्ञापन और प्रचार में Rs 471.89 करोड़ उसके बाद यात्राओं में Rs 209.57 करोड़ का किया है |
- कांग्रेस ने सबसे अधिक खर्च चुनाव में Rs 582.17 करोड़ उसके बाद प्रशासनिक और सामान्य खर्च में Rs 59.10 करोड़ खर्च घोषित किया है |
- एनसीपी ने सबसे अधिक व्यय चुनाव में Rs 67.70 करोड़ किया है उसके बाद प्रशासनिक और सामान्य खर्च में Rs 13.36 करोड़ और मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय में Rs 1.30 करोड़ का खर्च घोषित किया है |

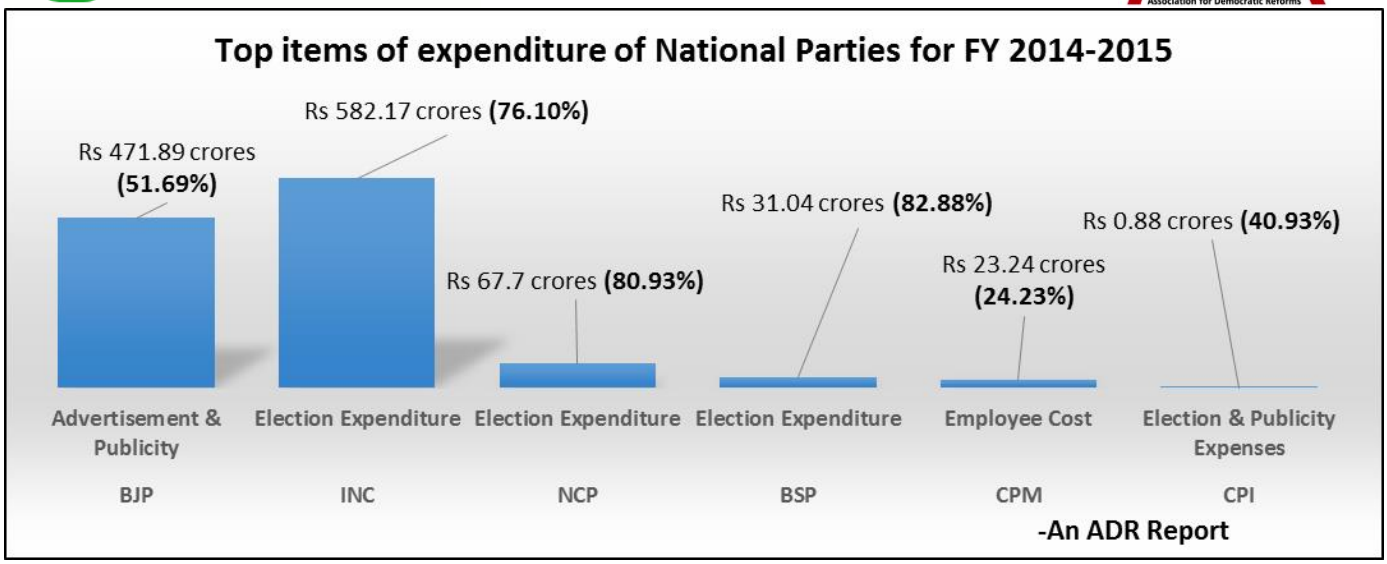

National Party	Total Expenditure	Financial Year- 2014-2015		
		Top 3 Items of Expenditure	Amount (Rs in crores)	% of Expenditure
BJP	**Rs 913.01 crores**	Advertisement & Publicity	471.89	51.69%
		Travelling	209.57	22.95%
		Morcha/Rally/Andolan Expenses	101.59	11.13%
		Other Expenditure	129.96	14.23%
INC	**Rs 765.02 crores**	Election Expenditure	582.17	76.10%
		Administrative and General Expenses	79.10	10.34%
		Finance Costs	33.77	4.41%
		Other Expenditure	69.98	9.15%
BSP	**Rs 37.45 crores**	Election Expenditure	31.04	82.88%
		Administrative and General Expenses	6.35	16.96%
		Employee Cost	0.05	0.13%
		Other Expenditure	0.01	0.03%
NCP	**Rs 83.65 crores**	Election Expenditure	67.7	80.93%
		Administrative and General Expenses	13.36	15.97%
		Depreciation and Amortisation Expenses	1.3	1.55%
		Other Expenditure	1.29	1.54%
CPI	**Rs 2.15 crores**	Election & Publicity Expenses	0.88	40.93%
		Salary and Allowances	0.36	16.74%
		Repair & Maintenance to Building	0.229	10.65%
		Other Expenditure	0.681	31.67%
CPM	**Rs 95.90 crores**	Employee Cost	23.24	24.23%
		Election Expenditure	20.78	21.67%
		Meeting Expenses	15.30	15.95%
		Other Expenditure	36.58	38.14%

Table: Top 3 items of expenditure of 5 National Parties in their ITR for FY-2014-15

राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय विवरणों के खुलासे से सम्बन्धित मुद्दे

भारतीय **इनकम टैक्स एक्ट** के सेक्शन 13ए का उद्देश्य राजनीतिक दलों के वित्तीय कामकाज में पारदर्शिता लाना है। राजनीतिक दलों के आईटीआर को इन्कम टैक्स डिपार्टमेन्ट/सर्कल में आरटीआई फाईल करके इकट्ठा करने की प्रक्रिया में एडीआर बहुत सारे ऐसे उदाहरणों से अवगत हुआ जहां राज्य/क्षेत्र के कई राजनीतिक दल, जोकि चुनाव आयोग द्वारा स्वीकृत दल हैं, अपने आईटीआर दाखिल नही करते।

राजनीतिक दलों का कर (टैक्स) माफ होता है पर कर (टैक्स) माफी की सुविधा का प्रयोग करने के लिए उन्हे अपना ऑडिट एकांउट रखना ज़रूरी है इसके साथ ही उन्हे **इनकम टैक्स एक्ट** के सभी प्रावधानों का पालन करना भी जरूरी है। कुछ राजनीतिक दल आमतौर पर इसकी अवमानना करते रहते हैं। ऐसे दल खुलेआम **इनकम टैक्स एक्ट** के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं तथा अपना वार्षिक आईटीआर दाखिल नही करती है। इनमें से कई पार्टियां अपने राज्य, क्षेत्र के बड़े क्षेत्रीय राजनीतिक दल हैं। लेकिन इनकी वित्तीय स्थिति की कोई जानकारी उपलब्ध नही है।

राजनीतिक दलों की वित्तीय सूचनाओं को उपलब्ध कराने के लिए एक सख्त व्यवस्था की ज़रूरत

राजनीतिक दलों में वित्तीय पारदर्शिता एंव ज़िम्मेदारी को सुनिश्चित करने के लिए तथा इसकी रिर्पोटिंग के लिए एक सख्त व्यवस्था की ज़रूरत है। **इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया** (आईसीएआई) सस्था ने चुनाव आयोग के अनुरोध पर सुझावों की एक सूची बनाई है। एडीआर का यह मानना है कि जल्द से जल्द इन सुझावों के पालन की सख्त ज़रूरत है।

एडीआर के सुझाव

- सुप्रीम कोर्ट ने 13 सितम्बर, 2013 को यह घोषित किया कि उम्मीदवारों के शपथपत्र का कोई भी हिस्सा खाली नही रहना चाहिए इसी के तर्ज पर फोर्म 24ए, जोकि राजनीतिक दलों द्वारा रू 20,000 से ज़्यादा दान देने वाले लोगों के लिए प्रस्तुत किया जाता है, का भी कोई हिस्सा खाली नही होना चाहिए।
- क्योकि राजनीतिक दलों की आय का अधिकतम प्रतिशत (80 प्रतिशत) अज्ञात स्त्रोतों से आता है, दानदाताओं की पूरी जानकारी, सार्वजनिक जांच के लिए आम जनता को उपलब्ध होनी चाहिए। भूटान, नेपाल, जर्मनी, फ्रांस, इटली, ब्राज़ील, बल्गेरिया अमेरिका तथा जापान जैसे देशों में ऐसा किया जाता है। इन देशों में से किसी भी देश में राजनीतिक दलों के आय स्त्रोत का 80 प्रतिशत अज्ञात रहना असम्भव होगा।
- आईसीएआई का यह दिशा निर्देश की राजनीतिक दलों के आडिट रिर्पोट का इन्कम टैक्स डिर्पाटमेन्ट द्वारा छानबीन की जानी चाहिए का पालन नही होता है।
- **राजनीतिक दलो को सूचना का अधिकार अधिनियम के अर्न्तगत निरन्तर तौर पर जानकारी प्रदान करनी चाहिए। ऐसा करने से ही राजनीतिक दल, चुनाव प्रक्रिया एंव लोकतंत्र सशक्त होगा।**

सम्पर्क:

Media and Journalist Helpline +91 80103 94248 Email: adr@adrindia.org	Maj Gen Anil Verma (Retd.) Head National Election Watch and Association for Democratic Reforms +91 8826479910 anilverma@adrindia.org	Prof Jagdeep Chhokar IIM Ahmedabad (Retd.) Founder Member National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919999620944 jchhokar@gmail.com	Prof Trilochan Sastry IIM Bangalore Founder Member, National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919448353285, trilochans@iimb.ernet.in